राजस्थान ने अवैध खनन के खिलाफ ड्रोन सर्वेक्षण शुरू किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों **के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया है** जिसमें ऐसी गतिविधियों के स्रोतों पर अंकुश लगाने के लिये ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण शुरू किया है।

- अवैध खनन के सबसे ज़्यादा **75 मामले भीलवाड़ा ज़िले में सूचित किये गए हैं।**

मुख्य बिंदु:

- **राजस्थान की भूमि में 81 प्रकार के खनिज हैं,** जिनमें से **57 का व्यावसायिक दोहन** किया जा रहा है।
- **राज्य में देश में सबसे अधिक खनन पट्टे हैं जबकि सरकार सुदूर संवेदन डेटा और** भौगोलिक सूचना प्रणालियों का उपयोग करके बिना लाइसेंस एवं अवैध खनन पर अंकुश लगाने हेतु उपाय कर रही है।
- अधिकारियों के अनुसार, राजस्व अधिकारी उस भूमि पर खातेदारी (स्वामित्व) अधिकारों को रद्द करने के लिये **राजस्थान किरायेदारी अधिनियम, 1955** के तहत कार्रवाई शुरू करने के अभियान में शामिल थे, जहाँ अवैध खनन हो रहा था।
- **फील्ड अधिकारी खनन माफिया और उल्लंघनकर्त्ताओं की पहचान करते हैं** एवं डेटा ऑनलाइन जमा करते हैं, **जिसका उपयोग आगे की कार्रवाई शुरू करने हेतु किया जाता है।**

अवैध खनन

- सरकारी अधिकारियों से आवश्यक **परमिट, लाइसेंस या नियामक अनुमोदन** के बिना भूमि या जल निकायों से **खनिजों, अयस्कों या अन्य मूल्यवान संसाधनों** का निष्कर्षण अवैध खनन है।
  - इसमें पर्यावरण, श्रम और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन भी शामिल हो सकता है।
- **भारत में खनन से संबंधित कानून:**
  - **भारत के संविधान की सूची II (राज्य सूची) के क्रम संख्या 23** की प्रविष्टि राज्य सरकार को उनकी सीमाओं के भीतर स्थित खनिजों का स्वामित्व देने का आदेश देती है।
  - **सूची I (केंद्रीय सूची) के क्रम संख्या 54** की प्रविष्टि केंद्र सरकार को भारत के **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)** के भीतर खनिजों का मालिकाना अधिकार प्रदान करती है।
  - इसके अनुसरण में **खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) (MMDR) अधिनियम, 1957** बनाया गया था।
  - लघु खनिजों से संबंधित नीति और कानून बनाने की शक्ति पूर्णतः राज्य सरकारों को सौंपी गई है जबकि प्रमुख खनिजों से संबंधित **नीति एवं कानून केंद्र सरकार के तहत खान मंत्रालय** द्वारा निर्धारित किये जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-launches-drone-survey-against-illegal-mining